

नाट्यसम्भव

रूपक

जिसे

हिन्द्यानुरागी रसिकजनों के मनोविनोद के लिये

प्रणयिनीपरिणय, लावण्यमयी, प्रेममयी, कनककुसुम,
सुखशर्वरी, हृदयहारिणी, लवङ्गलता, राजकुमारी,
स्वर्गीयकुसुम, लीलावती, तारा, चपला
इत्यादि के रचयिता

श्रीकिशोरीलालगोस्वामी ने

बनाया

और

बाबू देवकीनन्दन खत्री ने

प्रकाशित किया।

मूल्य ।=)